785
18/12/12

खण्ड-11 संख्या-21

दशम् बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(कार्यवाही भाग-2, प्रश्नोत्तररहित)

सत्यमेव जयते

सोमवार

तिथि 2 अगस्त, 1993 ई०

दशम् बिहार विधान-सभा

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सोमवार, दिनांक-2 अगस्त, 1993 ई.

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

(सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में सोमवार तिथि 2 अगस्त 1993 को पूर्वाह्न 11.00 बजे अध्यक्ष श्री गुलाम सरवर के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।)

(व्यवधान)

प्रारम्भिक चर्चाएं :

(कांग्रेस (आई), सी. पी. आई. एवं झा. मु. मोर्चा के माननीय सदस्य सदन के वेल में चले आये और नारेबाजी करने लगे)

अध्यक्ष : शांति-शांति, अपने सीट पर जाइए।

श्री लालू प्रसाद : एक-एक करके बोलिए। आपकी बात अगर हम सुनेंगे नहीं तो जवाब कैसे देंगे।

अध्यक्ष : कृपया अपनी सीट पर जाइए।

श्री लालू प्रसाद : महोदय, बोध गया में कृष्णदेव यादव, सी. पी. आई. के जो सचिव थे, उनके भाई पांच-सात आदमी के साथ बोध गया के किसी दुकान पर बैठे हुए थे तो दारोगा बीरेन्द्र सिंह एवं हवलदार को उन पर संदेह हुआ और दोनों में बाता-बाती हो गयी और हवलदार ने उन पर गोली चला दी। श्री कृष्णदेव यादव के भाई एवं खोंचावाला की मृत्यु उसी समय हो गयी। उसी दिन हमें घटना की जानकारी मिली और यह भी जानकारी मिली कि संबंधित पुलिस

के लोगों पर 302 का मुकदमा कर दिया गया है और उनको गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। हमारे कहने के पहले ही श्री बलवीर चांद, डी. आई. जी. डिटेंड कर चुके थे और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के अन्तर्गत 302 का मुकदमा हो गया, जहां तक मुझे जानकारी है कि जेल भी भेज दिया गया है। उनके आश्रितों को जो तय होगा, वह मुआवजा दिया जायेगा।

(व्यवधान)

जो हमें जानकारी है उसे हम देख लेते हैं। डी. आई. जी. श्री बलवीर चांद ने कहा कि हमने कस्टडी में ले लिया है फिर भी आपलोग कह रहे हैं तो मैं इसकी तहकीकात कर लेता हूं और बेवजह जिन लोगों ने गोली चलायी है उनपर सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी, इसमें ढिलाई का कोई सवाल ही नहीं है।

(व्यवधान)

श्री जगदीश शर्मा : अध्यक्ष महोदय, दक्षिण बिहार एवं मध्य बिहार में पीने के पानी की कमी हो गयी है। पानी का लेयर नीचे चला गया है। पानी के लिए लोगों में हाहाकार है.....

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, सबसे बड़ी बात यह है कि उस दिन दो घंटे सुखाड़ पर सदन में बहस हुआ और दोनों तरफ के माननीय सदस्यों ने अपने क्षेत्र के कठिनाइयों को रखा और सुखाड़ से उत्पन्न स्थिति कितनी भयानक है लेकिन अफसोस है कि पूरे राज्य में गया से लेकर साहेबगंज तक और पूरा दक्षिण बिहार में भयंकर स्थिति है। पेय जल के लिए लोग मारे-मारे फिर रहे हैं और यह निश्चित हो गया है कि अकाल बढ़ते जा रहा है लेकिन आपने कोई एक्सन नहीं लिया, इसलिए लोगों में बेचैनी है और बेचैनी रहेगी।

श्री लालू प्रसाद : महोदय, माननीय सदस्य श्री रामाश्रय बाबू एवं जगदीश शर्मा ने जो प्रश्न उठाया कि सुखाड़ की भयंकर स्थिति है और जिन जगहों की चर्चा किये हैं, सरकार की प्राइमरी डियूटी है कि वहां राहत काम चलाये। कहीं भी पर्याप्त वर्षा नहीं हो रही है। इसलिए हमने व्यवस्था किया है और जो हमें सहायता का आश्वासन मिला है, हम उस दिशा में काम कर रहे

हैं। एक चीज जो बिजली बोर्ड के नियम के तहत जब तक पैसा जमा नहीं करेंगे तब तक ट्रॉसफारमर नहीं देंगे। इसमें रामाश्रय बाबू, आपने ढील देने की बात उस दिन कही थी। मैंने मुख्य सचिव को आदेश दे दिया है और संबंधित विभाग को आदेश दे चुका हूं। दक्षिण बिहार, मध्य बिहार के रोहतास, पुराना आरा, जहानाबाद, गया, औरंगाबाद, गिरिडीह.....

(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : जरा सुनिए न। (**व्यवधान**) बहुत दिक्कत है। (**व्यवधान**) जरा सुनिए न पहले। (**व्यवधान**) जरा बैठिए न भाई रुकिए न। (**व्यवधान**)

महोदय, जमुई, चकाई, नवादा (**व्यवधान**) अभी साउथ की चर्चा कर रहे हैं, आपलोग नार्थ में चले गये। महोदय, पूरा छोटानागपुर का बांका, जमुई, चकाई, नवादा (**व्यवधान**) जरा सुनिए न। इधर सीवान, गोपालगंज, मोतिहारी, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, मधेपुरा (**व्यवधान**) सुनिए न पहले, बैठिए। ज्यादा सुखाड़ जहां है, बता रहे हैं आपको। समस्तीपुर, सहरसा, मधेपुरा (**व्यवधान**) बता रहे है पूरा सारण प्रमंडल, तिरहुत प्रमंडल (**व्यवधान**) सुन तो लीजिए पहले बात। (**व्यवधान**) 99 परसेन्ट पूरे बिहार में सखाड़ है। (**व्यवधान**) सुनिए न पहले बात। चिल्लाते रहिए और हमलोग भी चले जायें यहां से। महोदय,पूरे बिहार में चन्द 2-4 जिलों को छोड़कर, जो नेपाल के पानी से प्रभावित हुआ, उन जिलों को छोड़कर, वह भी पूरा नहीं है। महोदय, जो नदी का वेग है .....

श्री अनूप लाल यादव : आप कहते हैं कि जो नेपाल से प्रभावित हुआ है उसको छोड़कर।

श्री लालू प्रसाद : आप सुनते ही नहीं हैं। दुर्भाग्य मेरा है कि कोई सुनता ही नहीं है। महोदय, जो नदी का रूट है, दायें-बायें जो टच किया है। थोड़ा जो कट गया है बागमती, कोसी और गंडक से, मधुबनी आधा सुखाड़ में है और आधा डूबा हुआ है। महोदय, 99 प्रतिशत पूरे बिहार में भयानक सूखा है। यह मैं स्वीकार करता हूं। इसलिए यह गलत इनके मन में धारणा जा रही है कि जो सहायता (**व्यवधान**) जो हिसाब-किताब हमलोगों ने प्रधानमंत्री जी के सामने

रखा है और जो सहायता की बात हमको जे. आर. वाई. से 50 लाख रुपया अपने फंड से और सी. आर. एस. (**व्यवधान**) महोदय, सी. आर. एस. का दो एडवांस उन्होंने कहा कि रिलीज कर दें। बाजाप्ता सिर्फ बाढ़ की चर्चा नहीं हुई, वहां नेता-विरोधी दल, डॉ. साहब मौजूद थे, सिर्फ बाढ़ पर इम्फेसीस नहीं किये हैं, बाढ़ और सुखाड़ दोनों पर हमने किया है। हमने कहा कि दोनों तरफ से हम तमाचा खा रहे हैं। महोदय, हमने यह व्यवस्था किया है कि सबसे पहले जो बाढ़ से प्रभावित भू-भाग है, वहां राहत और बचाव का ही काम टेक-अप करें। जो उपलब्ध हमारे पास राशि है, रिलीफ अगर देना है, बचाव करना है तो सिर्फ हम उतना ही पैसा वहां पर खर्च करेंगे। कंस्ट्रक्शन का, प्राईमरी विद्यालय और हाऊस को जो नुकसान हुआ है, अभी वह काम करने का मौका नहीं है। महोदय, सुखाड़ को एक चुनौती के रूप में हमने स्वीकार किया है और मुख्य सचिव को परसों हमने कहा है कि जिस इलाके में ट्रांसफारमर जला हुआ है या नहीं है, वहां के किसान पैसा नहीं जमा किये हैं तो भी उसके काम को रोका नहीं जायेगा। बिना पैसा क्लीयर कराये ही हम वहां ट्रांसफारमर उपलब्ध करायेंगे।

रामाश्रय प्रसाद सिंह : बोर्ड के पास ट्रांसफारमर नहीं है।

श्री लालू प्रसाद : बोर्ड के पास पैसा है या पैसा नहीं है, यह जिम्मेवारी मेरी है। बोर्ड को पैसा देंगे, जहां से होगा ट्रांसफारर्मर ले जायेगा। रिलीफ से पैसा और जो मेरे पास उपलब्ध पैसा है, हम तुरंत उन इलाकों में, जहां ट्रांसफार्मर खराब हैं या जहां ट्रांसफॉरमर नहीं हैं, हमने कहा है कि ट्रांसफारमर के लिए किसानों को (**व्यवधान**)। महोदय, व्यवस्था हमने की है। सूखे का मुकाबला हमको करना है और बाढ़ में तत्काल रिलीफ का काम करना है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा पीने के पानी की व्यवस्था, जो पटवन की व्यवस्था कर सकते हैं माइनर इरीगेशन से या नहरों को आगे बढ़ाकर उसको हम करेंगे। जहां भूख की स्थिति है, उसका मुकाबला करने के लिए हमने संबंधित विभागों को, मुख्य सचिव को कहा है कि इस राशि से, इस पैसे से प्लान्टेशन का काम करना है, उसके लिए इन्तजाम करना है। पहले हम यह करेंगे और बाढ़ इलाके में खर्चा करेंगे। उसके बाद सुखाड़ का मुकाबला कर सकेंगे। सबसे भयानक स्थिति पीने के पानी की आ जायेगी। इसके लिए हम

सारा तैयारी किये हैं, तरह-तरह का इन्तजाम किये हैं।

(व्यवधान)

डा॰ जगन्नाथ मिश्र : अध्यक्ष महोदय, सुखाड़ के बारे में जो मुख्यमंत्री ने बयान दिया, सुखाड़ के बारे में हमलोगों की यह शिकायत है कि आपने जो बातें पहले कही, आज जो कह रहे हैं, वह अमल नहीं हो रहा है। परसों प्रधानमंत्री ने भी ये बातें कहीं कि जो पैसा आपको दिया गया, 483 करोड़ रुपया आपने वह पैससा खर्च नहीं किया। जो कुछ उन्होंने पलामू में कहा।

(व्यवधान)

डा॰ जगन्नाथ मिश्र : अध्यक्ष महोदय हमारी शिकायत बिहार की जनता की शिकायत यह है कि सुखाड़ के बारे में मुख्य मंत्री जी जितनी गम्भीरता से बात करते हैं, घोषणा करते हैं सदन में या सदन से बाहर, तदनुसार उन पर कार्रवाई नहीं होती है। इनके प्रशासन में उतनी सतर्कता नहीं है, इसलिये सिर्फ ऊपर से....

श्री विनायक प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरी बात सुन ली जाय। सारा सुपौल जिला बाढ़ से प्रभावित है, प्रधानमंत्री यहां पर आये थे, बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों को देखने के लिये लेकिन उनको ये लोग वहां पर जाने नहीं दिया। रिलीफ का काम.....

अध्यक्ष : शांति।

श्री लालू प्रसाद : महोदय, हम सर्वदलीय समिति की बैठक 5 तारीख को बुलाने जा रहे हैं। आप सभी लोग मिलकर, अपना सुझाव दें। हम यह बताना चाहते हैं कि नीचे स्तर पर प्रखंड लेबल पर कमिटी बनायी जाएगी, जो पैसे का प्रबंध कर रहे हैं, उसकी सबसे पहले सूखाड़ में और दूसरा बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में रिलीफ का काम करायेगी, आप लोग सुझाव दें। हम घोषणा करते हैं कि 5 तारीख को सभी दलों के नेताओं की मिटींग बुलायी जायगी, आपलोग मिटींग अटैन्ड करके ही जाइये, जिला स्तर पर प्रखंड स्तर पर कमिटी बनायी जायेगी।

डा॰ जगन्नाथ मिश्र : महोदय, औपचारिक रूप से संकल्प के द्वारा सरकार ऑल पार्टीज की कमिटी बनाये, राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय, प्रखंड

स्तरीय कमिटी बनाये। अध्यक्ष जी, मुख्यमंत्री ने जैसा ऐलान किया था बजट के दिन, सरकार संकल्प के द्वारा राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय, प्रखंड स्तरीय कमिटी बनाने की घोषणा करे और यह सर्वदलीय कमिटी राहत कार्य को देखे और सुपरभीजन करने का काम करे। सभी दलों के लोगों को राहत कार्य में शामिल किया जाय और जो सर्वदलीय समिति बनेगी, उस समिति को आप अधिकार दीजिए जो स्थल पर जाकर राहत कार्य देखे। अभी सबसे बड़ी समस्या हो गयी है पीने का पानी का दक्षिण बिहार में छोटानागपुर, संथालपरगना, पलामू में पीने का पानी का एक साल में कोई बन्दोबस्त नहीं किया गया है सरकार की तरफ से। भारत सरकार से सहाटय के लिये 185 करोड़ रुपये जो आया है, उसका इस्तेमाल नहीं हुआ है। यह हमारी शिकायत है ।

श्री जगदीश शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जो पंचायतों को जे. आर. वाई. का पैसा दिया जाता है, उसी से चापाकल गड़वाने का निर्देश सरकार द्वारा दिया जाए।

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, जे. आर. वाई. के पैसे पर राज्य सरकार का कोई दखल नहीं होता था। इसका 20 प्रतिशत, 80 प्रतिशत हिस्सा चला जाता था पंचायतों को। अब जो एक--एक करोड़ रुपए एम. पी. लोगों को देने की घोषणा की गयी है, उसके बारे में प्रधान मंत्री महोदय ने कहा कि इस बार जे. आर. वाई. में बेसी पैसा मिलेगा। हमलोग यह इजाजत ले रहे हैं कि हमको इस पैसा को रिलेक्स कर दीजिए। रिलेक्सेसन का आश्वासन उन्होंने दिया है। इसके बाद सीधे यह पैसा हमारे हाथ में आ जाएगा तो आपके सुझावानुसार, चूंकि यह नियम है, गाईडलाइन भारत सरकार का है कि 80 प्र0 भेज दीजिए पंचायतों को .....

श्री अवधेश कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, सरकार वही भेज दे।

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, जब तक रिलेक्सेसन नहीं होता है, इतनी बड़ी राशि की जरूरत है, उसे प्राथमिकता के आधार पर आपका सुझाव लेकर प्राथमिकता का निर्धारण किया जाएगा। पीने के पानी का, सिंचाई, राहत का, रिलीफ का, फुड फौर वर्क का लाभ सीधे लोगों को मिले, इसके लिए हमलोग प्रयास कर रहे हैं।

(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट ऑफ इन्फौर्मेशन पर हूं। बोकारो जिला के अन्तर्गत चन्द्रपुरा थर्मल को डोनेवकली के प्राचार्य को दिन के साढ़े पांच बजे उनके बंगले से अपहरण करके अपहरणकर्त्ता भाग रहे थे। चन्द्रपुरा थाना के जमादार को देखते प्राचार्य जब चिल्लाना शुरू किये तो जमादार सुरेन्द्र सिंह ने बहुत ही चालाकी से जनता की सहायता से उन्हें रोक कर थाना में लाकर बन्द किया और तुरत थाना प्रभारी एवं आवासीय दंडाधिकारी थाना पर पहुंचे एवं छानबीन शुरू ही किये थे कि कम्यूनिस्ट पार्टी के करीब 100 लोगों ने थाना पर धावा बोल दिया, पथराव किया, दारोगा का हाथ तोड़ दिये, सिपाही का सर फूटा, आरक्षी निरीक्षक को चोट आई। पूरे बेरमो अनुमंडल में अशांति व्याप्त है और इस कांड की वजह से पूरे छोटानागपुर क्षेत्र में शिक्षण कार्य बाधित है। इस घटना में वहां के डी. एस. पी., जो आई.पी. एस. हैं,

कोने भी चोटें आयी हैं। अत: आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि वह इस घटना की उच्चस्तरीय जांच कराये और दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करे।

(व्यबधान)

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, इसको हम देखवा लेते हैं। माननीय सदस्य इसका विवरण दे दें।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति। यह जीरो-ऑवर है क्या?

(व्यवधान)

डा॰ जगन्नाथ मिश्र : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य राजेन्द्र प्रसाद सिंह जी ने चन्द्रपुरा के मामले में जो बात बतायी है...

अध्यक्ष : यह जीरो ऑवर है क्या, अभी सदन को तो चलने दीजिए।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति, शांति।

श्री रमेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदय, इस मामले में झूठमूठ लोगों को फंसाया जा रहा है। 125 लोगों पर झूठा वारंट इशु किया गया है। कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यकर्त्ताओं को परेशान किया जा रहा है। जब लोग चन्द्रपुरा थाने में जमा हुए तो पुलिस ने लोगों पर गोली चलायी। मैंने वहां के डी. सी. से बात किया, पुलिस ने गोली चलायी है, हमारे लोग घायल हैं, मोहन सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है....

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, इसको हम जांच करवा कर देखवा लेते हैं। कोई अपराधी होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

ध्यानाकर्षण सूचनाएं एवं उन पर सरकारी वक्तव्य

क. दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई की मांग :

श्रीमती ज्योति, श्री शकील अहमद एवं अन्य तीन सभासदों की ध्यानाकर्षण सूचना तथा उस पर सरकारी (गृह आरक्षी) विभाग की ओर से वक्तव्य

श्रीमती ज्योति : अध्यक्ष महोदय, भोजपुर जिलान्तर्गत बाघी गांव में 6 जून, 1993 को सुबह 7 बजे उग्रवादी संगठन के व्यक्तियों ने गोलियों से 2 व्यक्तियों की हत्या कर दी एवं छः व्यक्तियों को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। आरक्षी अधीक्षक, भोजपुर द्वारा उक्त हत्या को जमीन का झगड़ा बताया जो बिल्कुल ही निराधार है। हत्या का मुख्य कारण रंजिश एवं प्रतिशोध की भावना है। इस घटना के संबंध में प्रशासन ने चुप्पी साध ली है।

अतः उक्त घटना की जांच कराकर दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई की जाय। इस हेतु हम सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं।

श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा : 4 तारीख को।

सर्वश्री ओम प्रकाश लाल, बच्चा चौबे एवं अन्य चार सभासदों की ध्यानाकर्षण सूचना तथा उस पर सरकार (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) की ओर से वक्तव्य।

ख. आरक्षण के सही दावेदारों की नियुक्ति

श्री ओम प्रकाश लाल : बिहार राज्य अवर सेवा चयन पर्षद के